(घ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और भारतीय शिक्षा पद्धति में उनके द्वारा बताई गई कमियों को दूर करने के लिये सरकार का विचार क्या कार्यवाही करने का है ?

शिक्षा मन्त्री (डा० त्रिगुण सेन) : (क) जी, हां । विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष डा० दौलत सिंह कोठारी की अध्यक्षता में एक 11-सदस्यों के वैज्ञानिक प्रतिनिधि-मण्डल ने 18 मई से 1 जून, 1967 तक सोवियत रूस का दौरा किया था ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) और (घ). क्योंकि भारतीय वैज्ञानिक प्रतिनिधि-मण्डल को सोवियत विज्ञान अकादेमी द्वारा आमन्त्रित किया गया था, इसलिए इसने सोवियत रूस में अपने कार्य-कलापों को वैज्ञानिक विकास के अध्ययन तक ही सीमित रखा और रूस की शिक्षा पद्धति का अध्ययन नहीं किया । डा० कोठारी ने भारत और रूस के बीच विज्ञान और टेकनोलाजी के क्षेत्र में सहकारी प्रयत्नों से संबंधित कुछ सुझाव दिये हैं । जिन विषयों पर ऐसे प्रयत्न किये गये हैं, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं :—समुद्र विज्ञान, भूभौतिकी के एक संस्थान की स्थापना, मिट्टी के खारेपन और रोग आदि का अध्ययन करना ।

मिजो लोगों के साथ मुठभेड़

6850. **श्री रामावतार शर्मा :**
श्री आत्म दास :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री ओ० प्र० त्यागी :
श्री शिव कुमार शास्त्री :
डा० सूर्या प्रकाश पुरी :
श्री महन्त दिग्विजय नाथ :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जुलाई, 1967 के दूसरे सप्ताह में सुरक्षा दल के कर्मचारियों के साथ लुंगलेह के समीप हुई मुठभेड़ में दो विद्रोही मिजो मारे गये थे;

(ख) क्या यह भी सच है कि तीन नर्सों समेत 25 विद्रोहियों को बन्दी बना लिया गया है;

(ग) क्या यह भी सच है कि चार सशस्त्र विद्रोहियों ने आत्म समर्पण कर दिया था;

(घ) यदि हां, तो क्या विद्रोहियों के गुप्त अड्डों पर धावा मार कर विद्रोहियों से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला बारूद पकड़ा गया है; और

(ङ) यदि हां, तो इस घटना का पूरा ब्यौरा क्या है ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) से (ङ). हमारे पास जुलाई के दूसरे सप्ताह में लुंगलेह के निकट ऐसी किसी घटना के होने की सूचना नहीं है । किन्तु सुरक्षा दल की कार्यवाहियों में जुलाई के पहले पखवाड़े के दौरान 64 मिजो विद्रोही पकड़े गये थे । तीन नर्सें भी पकड़ी गई थीं और अन्य तीन नर्सों ने इसी अवधि के दौरान आत्म-समर्पण किया था । किसी सशस्त्र विद्रोही ने आत्म समर्पण नहीं किया हां कुछ निशस्त्र विद्रोहियों ने आत्म समर्पण किया था । विद्रोहियों के गुप्त अड्डों पर कई धावे मारे गये थे जिनके दौरान हथियार और गोला बारूद पकड़ा गया था ।

Telephone workers at Kalpatta

6851. **Shri A. K. Gopalan:**
Shri P. Gopalan:
Shri P. Ramamurti:

Will the Minister of **Communications** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Telephone Workers at Kalpatta